Negotoations whh Asian Development Bank for one billion dollar aid

*26. DR. RATNAKAR PANDEY:
SHRI MURLIDHAR CHAND-
RAKANT BHANDARE:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that negotiations have been going on for securing one billion dollar aid from the Asian Development Bank;

(b) if so, what is the outcome thereof so far; and

(c) what type of projects are proposed to be financed thereby?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRr RAMESHWAR THAKUR): (a) to (c) Annual discussions were held with the Asian Development Bank to secure ADB's commitment towards loans during 1992, when the ADB Country Programming Mission visited India in February, 1992. ADB has agreed to a total commitment level of US $ 950 million during 1992 for any four of the five projects under processing. These five projects cover Power, Energy Conservation, Petroleum and Ports Sectors, and a possible Programme loan for financial sectors reforms.

चमड़ा उद्योग द्वारा

***27. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश का चमड़ा उद्योग विगत पांच वर्षों से अपने निर्यात में लगातार वृद्धि कर रहा है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इस उद्योग के समुचित विकास के लिये इस में आवश्यक सुधार करने हेतु सुझाव देने के लिए एक समिति गठित की गयी है ;

(ग) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि चमड़े के निर्यात में लगातार वृद्धि के बावजूद तैयार जूतों के निर्यात में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है;

(घ) यदि हां, तो वर्ष 1991-92 के दौरान कुल कितने मूल्य के चमड़े का निर्यात किया गया और इसमें से तैयार जूतों के निर्यात का मूल्य कितना था ; और

(ङ) जूतों के निर्यात की तुलना में चमड़े का अधिक निर्यात होने के क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम) : (क) से (ङ) जी हां। चमड़ा क्षेत्र में भारत के निर्यात में निरन्तर वृद्धि हुई है। वर्ष 1985-86 में 660 करोड़ रु० के स्तर से बढ़कर यह निर्यात वर्ष 1991-92 में 3210 करोड़ रु० (अनन्तिम) के हो गए।

सरकार द्वारा समय-समय पर अनेक समितियां गठित की गई थीं। इन समितियों की सिफारिशों के आधार पर सरकारी नीति यह रही है कि कच्चे माल (अर्थात चमड़े) की बजाय चमड़ा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाय। फलस्वरूप चमड़ा क्षेत्र के कुल निर्यातों में फुटवीयर (मुख्यत: जूतों) सहित चमड़ा उत्पादों के अंश में हाल के वर्षों में काफी वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे दी गई सारणी में दर्शाया गया :-

(मूल्य करोड़ रु०)

उत्पाद	1987-88	1988-89	1989-90	1990-91	1991-92 (अन)
1	2	3	4	5	6
1. अर्ध निर्मित चमड़ा	72.59	45.00	21.66	3.97	—
2. निर्मित चमड़ा	485.97	649.88	693.53	765.53	75